घाटे की पूर्ति हेतु विद्युत की खरीदारी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)** ने पावर बैंकों के माध्यम से 11 राज्यों से 5,500 मिलियन यूनिट (Mu) विद्युत का व्यापार किया है।

- उच्च ऊर्जा मांग अवधि (अप्रैल-अक्तूबर) के दौरान लगभग 4,000 Mu की आपूर्ति की जाएगी।

मुख्य बिंदु:

- वर्ष 2023 में, राज्य ने 28,284 मेगावाट (MW) की उच्च मांग स्थापित की, जबकि पावर कॉर्पोरेशन ने मांग-आपूर्ति के अंतर को दूर करने के लिये पाँच राज्यों से 3,000 Mu ऊर्जा की व्यवस्था की।
- यूपी के पावर बैंकिंग राज्य भागीदारों में **मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर और हिमाचल प्रदेश** शामिल हैं।
- उत्तर प्रदेश की **अधिकतम ऊर्जा मांग वर्ष 2024 में 31,000 MW** और **वर्ष 2028 तक 53,000 MW** तक पहुँचने की संभावना है।
    - हालाँकि राज्य सरकार को उम्मीद है कि वह नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि करेगी।
    - राज्य ने **4-5 वर्षों में 22,000 MW सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है।**

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)

- **14 जनवरी 2000 को** यूपी में विद्युत क्षेत्र के सुधारों और पुनर्गठन के परिणामस्वरूप स्थापित किया गया, **जो विद्युत क्षेत्र का केंद्र बिंदु है** जो विद्युत के **संचारण, वितरण तथा आपूर्ति के माध्यम** से क्षेत्र की योजना एवं प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
- यह पेशेवर रूप से प्रबंधित उपयोगिता है जो राज्य के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय और लागत कुशल विद्युत की आपूर्ति करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-government-procures-power-units-to-address-deficit